RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 40 अंक 8 हल्द्वानी सम्वत् 2081 सोमवार 29 जुलाई 2024 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

जसुली अम्मा धर्मशालाओं को सुरक्षित और जीर्णोद्धार के लिये शासन-प्रशासन के आदेश पर खुशी

कार्यालय प्रतिनिधि

महान दानबीरांगतना लला जसुली शौक्याणी की धर्मशालाओं को सुरक्षित रखने व जीर्णोद्धार के शासन-प्रशासन से आदेश के बाद लोगों में खुशी है कि इन पुरातन यादों को सेरक्षण मिलेगा। उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी साहसिक विंग कर्नल अश्विन पुन्डीर ने प्रदेश के जिला पर्यटन अधिकारी, साहसिक खेल अधिकारी, चमोली, अल्मोड़ा, बागेश्वर, चम्पावत, नैनीताल, पिथौरागढ़ को जसुली देवी शौक्याणी द्वारा निर्मित धर्मशालाओं के सम्बन्ध में पत्र भेजा है। जिसमें कहा गया है कि लला जसुली द्वारा निर्मित विभिन्न धर्मशालाओं, जिनका प्रयोग प्राचीन काल से मानसरोवर यात्रा, आदि कैलास तथा भारत-तिब्बत व्यापार के लिये यात्रियों के विश्राम हेतु किया जाता था। वर्तमान में यह धर्मशालायें विलुप्त होने की कगार

श्री ह्यां गबला स्यैं सै च्योंपी सैं सिमसा मां निड्ग बिर ज रोंगस्यिलों।

पर हैं। पर्यटन विभाग द्वारा इन सभी धर्मशालाओं का जीर्णोद्धार, उत्थान किये जाने का प्रस्ताव है। अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी साहसिक ने कहा है कि अपने क्षेत्रान्तर्गत आने वाले समस्त जसुली देवी शौक्याणी द्वारा निर्मित ध र्मशालाओं का पूर्ण विवरण यथा- स्वामित्व की सूचन, भवन का क्षेत्रफल, वर्तमान में भवन की स्थिति, शहर से दूरी, धर्मशाला पर वर्तमान तक व्यय कुल धनराशि, ध र्मशाला से जाने वाले ट्रैक मार्गो/पर्यटन स्थल के नाम इत्यादि फोटोग्राफ सहित उत्तराखण्ड पर्यटन विकास परिषद के कार्यालय गढ़ीकैन्ट, देहरादून में उपलब्ध करवाएं।

जसुली की अनमोल धरोहरों को संरक्षण के इस प्रयास के लिये जसुली बूढ़ी लला शौक्याणी धर्मशाला जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धक समिति, बागेश्वर ने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि इससे हमारी पुरातन यादों को संवारने में मदद मिलेगी। जसुली दत्ताल के बंशज फली सिंह दत्ताल ने लला जुसली की धरोहरों को बचाने के शासन के प्रयास की सराहना करने के साथ ही इस अभियान में जुड़े सभी सज्जनों का आभार जताया है।

मानसून के बाद निकाय चुनाव का जोर

प्रदेश के 99 नगर निकायों में चुनाव होने हैं

उपचुनाव के बाद कांग्रेस में जोश, भाजपा नई रणनीति के साथ तैयार

पि.हि.प्रतिनिधि

नगर निकाय चुनाव के लिये जोर होने लगा है। मानसून के बाद प्रदेश के 99 नगर निकायों में चुनाव होगा। सरकार की ओर से भी इस मामले में अब देरी नहीं होगी क्योंकि निकाय चुनाव में देरी को लेकर याचिका की सुनवाई हाईकोर्ट में चल रही है। जिस कारण सरकार को नगर निकाय चुनाव की टाइमलाइन जमा करनी है। माना जा रहा है कि 15 सितम्बर से अक्टूबर तक चुनाव करवाये जा सकते हैं। ऐसे में मानसून के निपटते ही नेताओं का प्रचार-प्रसार भी जोर पकड़ने लगेगा।

उपचुनाव में सफलता के बाद कांग्रेस में जोश दिखाई दे रहा है। ऐस में पार्टी से जुड़े नेता निकाय चुनाव के लिये दमखम दिखाने लगे हैं। इससे पहले भाजपा के दबदबे के कारण माना जा रहा था कि निकाय चुनाव में एकतरफा माहौल बन सकता है किन्तु कांग्रेस व विपक्षी की तैयारी है कि वह अपने संगठन को मजबूत करने के साथ ही निकाय चुनाव पर अधिकाधिक जीत दर्ज करें। उपचुनाव में सबक के बाद भाजपा नई रणनीति के साथ तैयार है। हार के कारणों पर मंथन के अलावा निकाय चुनाव में कौन-कौन पार्टी के लाभकारी हो सकते हैं, ऐसा विचार वरिष्ठ नेता करते हुए जुट हुए हैं। निर्दलीय ताकत भी देखने को मिलेगी।

हल्द्वानी में सड़क चौड़ीकरण के लिये कटाई-छंटाई

दिल्ली से आए विशेषज्ञों की उपस्थिति में वर्षों पुराने पेड़ों का होगा ट्रांसप्लांट

पि.हि.प्रतिनिधि

हल्द्वानी। प्रदेश के बड़े शहरों में एक हल्द्वानी की शक्ल-सूरत बदलने जा रही है। शहर से होकर गुजरने वाली प्रमुख सड़कों के चौड़ीकरण के लिये पेड़ों की कटाई-छंटाई, अतिक्रमण हटाने, चौराहे तिराहों के पास नये सिरे से काम होने लगा है। सड़क से लगे विद्युत पोलों की शिफ्टिंग, नालों-नालियों की खुदाई कार्य के बाद पुराने बड़े अतिक्रमण भी ध्वस्त होने हैं। इन दिनों में पुराने पेड़ों का ट्रांसप्लांट हो रहा है, जिससे सड़कों की चौड़ाई काफी दिखाई दे रही है। सड़क और चौराहों के चौड़ीकरण में बाधक बने दशकों पुराने पाखड़ समेत अन्य प्रजातियों के पेड़ों की ट्रांसप्लांट करने की प्रक्रिया दिल्ली से आए विशेषज्ञों की उपस्थिति में हुई। दिल्ली की एक नर्सरी से आए विशेषज्ञ अजय नागर बताते हैं कि इस प्रक्रिया में महीने भर के भीतर पेड़ में नई जड़ें निकलने लगती हैं और दोबार पत्ते आने लगते हैं। नैनीताल रोड, कालाढूंगी रोड पर चौड़ीकरण के लिये द्रुत कार्य होता देख अनुमान है कि आने वाले दिनों होने वाली तोड़-फोड़ के साथ हल्द्वानी नये सिरे से संवरेगा। जैसा कि पिघलता हिमालय ने अपने पिछले

शेष पृष्ठ 2 पर

जोहारी लोकगीतों के फनकार भूपाल बृजवाल

जगदीश सिंह वृजवाल

किसी भी समाज, समुदाय के बीच प्राचीन व नवीन परम्पराएं आचार-विचार, रहन-सहन, विश्वास, तथा जीवन का असल परिचय हमें लोकगीतों से प्राप्त होता हैं। अतीत में जोहारी समाज, समुदाय की लोकसंस्कृति, सभ्यता सौहार्द जीवन शैली को भी सांस्कृतिक प्रथाएं ही बनाए रखती थी। तब समाज में लोकगीत रचनाकारों का भरमार था जिन्होंने विभिन्न प्रकार के गीत-संगीत से जीवन, समाज को उल्लासमय बनाया, समाज इतना रंगीला-रसीला था(बच्चे, युवा, महिला,पुरूष चलते चलते गीत गुनगुनाते रहते थे।

आज जोहारी समाज में उस तरह के गीतकार, संगीतकार, गायकार का अभाव है, जो उल्लास मय गीत-संगीत की रचनाओं की कल्पना करते हों।

मृदुल स्वभाव के व्यक्ति श्री भूपाल सिंह बृजवाल का परिचय मूल ग्राम तल्ला दुम्मर मुनस्यारी निवासी जिनका जीवन ही गीत-संगीत के लिए बना है। वर्तमान में सपरिवार हल्द्वानी में निवास करते है। भारतीय रेलवे के उच्चाधिकारी पद से सेवानिवृत्त हो चुके हैं। अपनी सेवाकाल के दौरान भी हर उत्सव, समारोह में अपनी गायकी से खुब सुर्खियां बटोरते थे। इनके रग-रग, कण-कण में संगीत भरा है।

पिता स्व. गोपाल सिंह जो आजादी से पहले तथा आजादी के कुछ समय बाद तक क्षेत्र के हर उत्सव, रामलीला, विकास मेला आदि स्थलों पर अपने हास्य कलाकारी से सबको आकर्षित करते थे। अपने पिता की तरह उनमें कला का बंशानुगत विकसित गुण हैं, जो उत्कृष्ट गायक होने के साथ अपने विरासती धरोहर का सम्मान करना भी जानते हैं। लोकगीत के अतिरिक्त हिन्दी गीत विधा के हर फन में भी पारंगत हैं।

लोक संस्कृति के निम्नवत गीत प्राचीन व नवीन : आराधना गीत, संस्कार गीत, सुमन गीत, प्रशस्ति गीत, श्रृंगार गीत, स्मृति गीत, प्रेरणा गीत, बाल गीत आदि विभिन्न प्रकार के गीत-संगीत समाजिक परिवेश को सौहार्दपूर्ण बनाये रखता था। उन लोक कलाकारों की उत्कृष्टता की कोई सीमा नहीं थी। आज के समय में उन गीतों के धुन के तजुर्बेकारों का होना प्रश्न चिह्न खड़ा करता है।

लोकगीत शीर्षक पंक्ति का उल्लेखित करते हैं जैसे- बिजैसिंह ढोल क्या बाजों, भिना मैसर, भला-भला दे सोगुन, हिवांल फूल न फूल, शेरू मर्तोलिया, त्वे देबीक सेवा कोंल, बरसों को बार मैना, मासी को फूल, रावता बिजै सिंह, हिट साली मनुराली, मानी कम्पासी, म्यर गल बपांयू रेगे, धूरा फूलो नर कूंजा हरीला कुंजा आदि लोकगीतों के धुनकार हमारे बीच नहीं तक सीमित है मूल धुन को जीवन्त रखना कठिन हो चुका है। आज भूपाल सिंह जी ही ऐसे व्यक्ति हैं जो अपने अतीत की स्मृतियां को भूलना ही नहीं चाहते हैं।

जोहार घाटी के युगदृष्टा, इतिहासकार डॉ. शेर सिंह पांगती जो लोक कला केन्द्र के संस्थापक, संरक्षक, संचालन कर्ता भी थे, सत्तर-अस्सी दशक में रामलीला कमेटी दरकोट मुनस्यारी क्षेत्र में प्रसिद्ध रामलीला नाटक मंचन कराती थी, तभी डॉ. पांगती की नजर भूपाल सिंह जी के मधुर संगीत पर पड़ी, दरकोट रामलीला

शेष पृष्ठ 2 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

नवनिर्माण के लिये ध्वंस होना है

हल्द्वानी शहर में इन दिनों सड़क, चौराहे, तिराहे चौड़ीकरण के लिये सैकड़ों वर्ष पुराने वृक्षों की कांट-छांट-शिफ्टिंग का कार्य हो रहा है। इसके अलावा सड़क में बाधा दिखाई दे रहे सरकारी भवनों, चाहरदीवारियों को तोड़ा गया है। अन्य अतिक्रमणों को हटाने का अभियान जारी है।

सुविधाजनक स्थान के चक्कर में हल्द्वानी में जनसंख्या दबाव अथाह बढ़ चुका है और यहाँ की सड़कों पर जाम ही जाम है। ऐसे में छोटे और सुन्दर हल्द्वानी में समस्या तो होनी ही थी। हालात यहाँ तक पहुँच गये कि इस शहर के आस-पास के पाँच दर्जन गाँव भी प्रभावित हुए हैं, वहाँ की खेतीबाड़ी की जगह कंक्रीट के जंगल बन चुके हैं, सिंचाई गूल घिर चुकी हैं या घेर ली गई हैं। नई पीढ़ी के बच्चे तो सबकुछ नया देख रहे हैं और आगे देखेंगे। उन्हें क्या पता कि हल्द्वानी बाजार में जाते ही सड़क के दोनों ओर आम के पेड़ होते थे, प्यासे राहगीरों के लिये प्याऊ होते थे, यात्रियों के लिये विश्रामस्थल बने थे, आस्थावानों के लिये पुराने मन्दिर थे। अब सब बदल चुका है। शहर में लम्बी सड़कें खूब चौड़ी हो रही हैं, छोटी दुकानों की जगह बड़े भवनों का निर्माण होने लगा है, पुराने मन्दिरों में घेराबाड़ी करने वाले छोड़ नहीं रहे हैं, पुराने पार्कों के हाल खराब हैं और नये पार्कों में नशेड़ियों के अड्डे बन चुके हैं। जनसम्पर्क के लिये कुछ विशेष स्थान हुआ करते थे, अब उनके नाम बदल रहे हैं या पहचान में ही नहीं आ रहे हैं।

यह सब क्या है? असल में सत्य यही है कि नवनिर्माण के लिये ध्वंस होना जरूरी है। हल्द्वानी ही नहीं, अन्य जगह भी ऐसा हुआ है। यहाँ तक की पानी की कमी से दुनिया के कई शहर खाली हो चुके हैं। चूंकि हल्द्वानी जैसे शहर पर सबकी नज़र है और उत्तराखण्ड के सुविधायुक्त शहर होने का भ्रम बना हुआ है तो स्वाभाविक रूप से आराम के लिये लोगों की आवत यहाँ हुई लेकिन शहर के अन्दर कितने शहर बन चुके हैं किसी को नहीं पता। मिलने-जुलने का जो प्रचलन था, बात-व्यवहार की जो उमंग थी, वह नदारत हो चुकी है। इन्हीं का परिणाम नवनिर्माण के रूप में होगा। हमें बदलते हल्द्वानी को स्वीकारना होगा। हल्द्वानी के हालात देख दूसरे शहरों को भी जागृत हो जाना चाहिये।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

मॉरीशस के साथ भारत की अटूट प्रतिबद्धता

पोर्ट लुई। विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने मॉरीशस के विपक्षी नेता अरविन बुलेल सहित वहाँ के शीर्ष राजनीतिक नेताओं से भेंट की और उनसे द्विपीय राष्ट्र के साथ भारत की विशेष और स्थायी साझेदारी को गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि मॉरीशस के साथ भारत की अूटट प्रतिबद्धता है।

चीन ने हथियार नियंत्रण वार्ता स्थगित की

बीजिंग। चीन ने कहा कि उसने अमेरिका के साथ हथियार नियंत्रण पर अप्रसार वार्ता स्थगित कर दी है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा कि स्वशासित तायवान को अमेरिका हथियारों की बिक्री जारी रखे हुए है। चीन ताइवान के एक बागी प्रान्त होने का दावा करता है।

डेमोक्रेटिक पार्टी अगस्त में करेगी नामित

वाशिंगटन। राष्ट्रपति तं बाइडेन को डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार बनाने के लिये अगस्त के पहले सप्ताह में डेमोक्रेट्स ऑनलाइन मतदान कराने की कोशिश करेंगे। पार्टी के कुछ लोग बहस में खराब प्रदर्शन के बाद बाइडेन पर मैदान से हटने के लिए दबाव डाल रहे हैं।

अलकायदा का सदस्य अमीन गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अलकायदा के एक प्रमुख सदस्य अमीन उल हक को गिरफ्तार कर लिया। उसे मारे गये आतंकवादी ओसामा बिन लादेन का करीबी सहयोगी बताया गया है। पंजाब पुलिस के आतंकवाद निरोधक विभाग के प्रवक्ता ने इसे महत्वपूर्ण सफलता बताया है।

भारत के साथ संबंध निरंतर मजबूत चाहिए

थिम्पू। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे से भेंट की, जिन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आपसी विश्वास और लाभ पर आधारित घनिष्ठ द्विपक्षीय सम्बन्ध निरन्तर मजबूत होने चाहिये। उनकी ये कार्यभारत सम्भालने के एक सप्ताह में पहली आधिकारिक विदेश यात्रा है।

यूसीसी के तहत पंजीकरण में सुरक्षा भी दें

नैनीताल। लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहे अन्तरधार्मिक जोड़े की सुरक्षा से सम्बन्धित मामले में हाईकोर्ट ने आदेश दिया है कि यदि प्रेमी युगल 48 घण्टे के भीतर उत्तराखण्ड की समाज नागरिक संहिता के तहत खुद को पंजीकृत कराता है तो उसे अनिवार्य रूप से सुरक्षा दी जाए। हाईकोर्ट ने यह आदेश हिन्दू महिला(26)व मुस्लिम पुरुष(26) की ओर से दाखिल याचिका में दिया।

फसक

दाज्यू, दुस्साहस और साहस में बहुत फर्क होने वाला ठैरा

हाई सोसाइटी दिखावे में जमकर कुकुरयोव हो रही है बल

दाज्यू, बर्षा-बाढ़ से परेशान मोहल्ले से तैरते हुए सोचा थोड़ा आराम कर लें लेकिन रघ्घू ने हंगामा मचा दिया। किसका आराम, तब से उलझे हुए हैं। जिधर देखा बबाल मचा है। दाज्यू, रघ्घू बहुत भड़क चुका है। कह रहा था- 'प्रोफेसर, डाक्टर, साहब, कोतवाल सब पचाने में लगे हैं। चूरन की गोलियां मिलनी बन्द हो गई हैं।' दाज्यू, रघ्घू का गुस्सा भी जायज ही है। जिधर देखो गजब ही हो रहा है। हाई सोसाइटी दिखावे में जमकर कुकरयोव हो रही है बल।

हल्द्वानी में जाने माने डाक्टर महेश शर्मा पर आरोप के बाद कनफुसिया बातें होने लगी हैं। एक महिला ने उनपर आरोप क्या लगाया धुंआधार वीडियो और समाचार साया होने लगे। इसे डाक्टर का दुस्साहस कहा जा रहा है। एक वकील ने डाक्टर को सही बताने की कोशिश की और आरोप लगाने वाले महिला के खिलाफ ही समाचार दिखाई दिया। पूरे मामले में जाँच हो रही है। दाज्यू, दुस्साहस और साहस में बहुत फर्क होने वाला ठैरा।

केदारनाथ, रुद्रपुर व देहरादून के बाद अब श्रीनगर गढ़वाल थाने में तैनात एक दरोगा पर भी दुष्कर्म पीड़ित युवती ने यौन शोषण का आरोप लगा दिया है। दाज्यू, सब गदर-गोल मची है। कर्म-दुष्कर्म सब मन से चलने वाला हुआ। चाहे कितना सत्संग कर लो, प्रसाद जो चाहो वही मिलने वाला ठैरा।

जमाना बड़ा बेढप हो चुका है। ऐसे में साहस कौन करेगा? इसके लिये तो बहुत कड़वा बनना पड़ता है बल। दुस्साहस वाले ज्यादा दिखाई दे रहे हैं। जसपुर में अवैध खनन कर ले जा रहे चालक ने तीन पुलिस कर्मियों की कार पर डम्पर चढ़ा दिया। काशीपुर, रामनगर, बाजपुर, गदरपुर तराई में चारों ओर तस्करों का आतंक मचा हुआ है। चरस-शराब के लिये पहाड़ उचक रहे हैं। देबीधुरा में अंग्रेजी शराब की दुकान में तोड़फोड़ और मारपीट हो गई। नशा है तो सारी गड़बड़ होनी ही है। टनकपुर की एक किशोरी का अश्लील वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित कर दिया। परिजनों की रिपोर्ट पर पुलिस तलाश कर रही है।

पुलिस भी आँखिर कितने मामले संभालेगी? चम्पावत जिले के पुलहिंडोला ब्लाक में अर्द्धविक्षिप्त व्यक्ति ने वाहनों में आग लगा दी। पंचेश्वर पुलिस वाहन चलाने वाले की ढूंढखोज करती रही तो पता चला क्वैराली निवासी का मूड ऐसा ही है। पौड़ी के जाखणीखाल तहसील के पट्टी मल्ला दो की राजस्व उपनिरीक्षक ने हरिद्वार पुलिस विभाग में तैनात एक सब इंस्पेक्टर पर गाली-गलौच, धमकाने का आरोप लगाया है। आरोप पर जाँच होने ही वाली ठैरी।

दाज्यू, सोमेश्वर पुलिस ने निजी टूरिस्ट बस से लीसा तस्करी कर रहे तस्कर को पकड़ लिया। लालकुआ निवासी चालक का दुस्साहस इतना था कि वह पुलिस टीम को देखकर भी बस भगाने लगा।

जौलजीवी में मेला ग्राउण्ड नशेड़ियों का अड्डा बन चुका है बल। बब्बू बता रहा था- 'इधर-उधर से नड़ेगी आ चुके हैं और मौका लगते ही आस-पास घरों का सामान भी चुरा लेते हैं।' दाज्यू, नदी घाट हमेशा से सभ्यताओं के संरक्षक रहे हैं, ज्यादा क्या कहें? यहाँ रहने वाले साहसी लोगों के बीच चोरी-चकारी का दुस्साहस कौन कर रहा है, भण्डाफोड़ होना चाहिये।

दाज्यू, सावन के झूलों का मजा अब नहीं रहा। अब धुरमण्ड मची है। कांवड़ यात्रा की रेलपेल देखते हुए सीएम धामी ने कांवड़ यात्रा मार्ग पर दुकानदारों का नाम लिखना जरूरी कर दिया है। वह कहते हैं- 'पहचान छिपाकर कारोबार करना गलत है।' दाज्यू, रील बनाने का जमाना है, कौन किसकी कब बना ले पता नहीं है। दाज्यू, प्रभुलाल बहुत खुश है। बता रहा है- 'देहरादून की तरह ही अब अपने शहर में भी पहाड़ी बकरों का मीट पैकेट में मिलेगा।' दाज्यू, क्या कहें क्या न कहें? -तुम्हारा भुली झकरुवा

जोहारी लोकगीतों....

प्रथम पृष्ठ का शेष

में राम के पात्र अभिनय का मौका मिला। क्षेत्र भर में सुर्खियां बटोर ली, तुरन्त अपने गाँव तल्ला दुम्मर में भी अगले वर्ष से रामलीला नाटक मंचन प्रारम्भ कर दिया। सन् 2015-16 तक हर वर्ष रामलीला नाटक किया जाता था, अब नहीं होती है। भूपाल सिंह जी ग्रामीणों के लिए चेहते व्यक्ति है। जिन्हे गाँव आते ही सम्मान से हाथों-हाथ लेते हैं।

वर्तमान में जोहार का सांस्कृतिक स्थिति, लोकगीत का दौर संक्रमण काल से गुजर रहा है। हमारे विरासती संस्कृति सभ्यता हिचकोले खाते दिख रहा है। नजर अंदाज करते नयी पीढ़ी, लोग सब कुछ आँखों के समक्ष देख रहे हैं वह दिन दूर नहीं हम अपनी लोक संस्कृति,लोक गीत के धुनों को भी पुराने जोहारी शब्द की तरह ढूंढते फिरते रहेगें। पर कहीं कुछ नहीं मिलेंगी। दन्याला, चम्फूली, छपेली, भगनौला, भराग जैसा गीत की धूने विलुप्त है। आज के संस्कृति के रखवाले उस विषय को अच्छी तरह समझते भी है किन्तु उनसे अभी परहेज ही करते हैं। कारण जानकारी न होना।

जोहार घाटी के अच्छे गीतकार, संगीतकार, गायककार, हरिमल धर्मशक्तू, दुर्गेश बृजवाल 'हिवांल', नेत्र सिंह ल्वांल, गंगा सिंह पंचपाल, गोविन्द सिंह पंचपाल, प्रहलाद सिंह धर्मशक्तू, हिमालय सिंह पांगती, प्रकृति वर्णन गीत के रचयिता के प्रेमी, लोक कला केन्द्र दरकोट की भी महत्वपूर्ण भूमिका देखी गई। इसके अतिरिक्त समाज में सामुहिक रूप से भी उत्कृष्ट रचनात्मक कार्य से उल्लासमय समाज वातावरण को बनाये रक्खा जाता था।

भूपाल सिंह बृजवाल जी अपने अतीत को याद करते विरासती लोकगीत को हर मंच से गाकर अपनी संस्कृति के प्रति जो सम्मान का भाव रखते हैं तथा सन्देश देते भी हैं, आज भी विरासती गीतों के कुशल जानकार आपके बीच उपस्थित दर्ज करा रहा है। यदि आज भी सही संरक्षण रखरखाव न रहा तो भविष्य की पीढ़ी को पछतावा अलावा कुछ नही मिलने वाला। एक लोक संस्कृति के अच्छे फनकार भूपाल सिंह बृजवाल के गायन को भलीभाँति समझना होगा। संस्कृति के ऐसे महान शख्सियत को कोटि-कोटि प्रणाम करता हूँ, यह किसी का व्यक्तिगत प्रशंसा नहीं है। वास्तव में हकीकत को समझना है।

हल्द्वानी में सड़क....

प्रथम पृष्ठ का शेष

अंकों में भी कहा था कि हल्दू का बगीचा हल्द्वानी बदल जायेगा। कालाढ़ूंगी रोड में मुखानी तिराहे के पास पेड़ कटिंग व अक्रिमण हटने से एकदम बदला हुआ लगने लगा है। काठगोदाम क्षेत्र सड़क से लगे कुमाऊँ मण्डल विकास निगम के पर्यटक आवास गृह के लिए शासन से नई जमीन मांगी है। सड़क से लगे आवास गृह भी सड़क चौड़ीकरण में बाधा के कारण हट रहा है। रोडवेज बस स्टेशन, हल्द्वानी मुख्य पुलिस थाने सहित जगह-जगह पुराने पेड़ों को हटाया गया है। कालाढ़ूंगी चौराहे पर सर्वाधिक जाम की स्थिति देखते हुए अपना बाजार से लगे विद्युत विभाग के पास तोड़फोड़ कर चौड़ा किया गया है। आस्था का केन्द्र कालूसिद्ध मन्दिर के लिये तैयारी है। मन्दिर शिफ्ट होने के बाद शहर के हुलिया एकदम बदला लगेगा। अतिक्रमण हटने की कार्रवाई से वर्षों पुराने कारोबारियों में हड़कम्प होना लाजमी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

लैंडस्लाइड

लगातार क्यों दरक रहे पहाड़?

डॉ.हरीश चन्द्र अन्डोला

अब सवाल यह उठता है कि जब सामान्य और सामान्य से कम बारिश में ही उत्तराखण्ड में पहाड़ इतने भयावह तरीके से दरक रहे हैं तो अतिवृष्टि, बादल फटने या सामान्य से ज्यादा बारिश होने की स्थिति में क्या हालात होंगे। उत्तराखण्ड में अब तक वैसी बारिश नहीं हुई, जैसी बारिश के लिए इस राज्य को जाना जाता है। कुछ पर्वतीय जिलों में तो अभी बारिश औसत से कम दर्ज की गई है। बावजूद इसके राज्य में लगातार पहाड़ दरक रहे हैं। अब तक पहाड़ों के दरकने से मोटर मार्ग बन्द होने की सैकड़ों घटनाएं हो चुकी हैं। हजारों तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और स्थानीय लोगों की पहाड़ दरकने जैसी घटनाओं के कारण मौत हो चुकी है। यह सिलसिला गढ़वाल से लेकर कुमाऊँ तक बदस्तूर जारी है। चारधाम वाले यात्रा मार्गों पर पुलिस सोशल मीडिया के माध्यम से सड़कें बन्द होने और खुल जाने की सूचना देती है, लेकिन बाकी जिलों में इस तरह की कोई व्यवस्था नहीं है। ऐसे में इन जिलों में पहाड़ दरकने और उससे मोटर मार्ग बन्द हो जाने की सूचनाएं बहुत कम आ रही हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार मानसून शुरू होने से लेकर अब तक राज्य में 250 से ज्यादा जगह सड़कें बन्द हो चुकी हैं। इनमें से कुछ सड़कें खोल दी गई हैं, जबकि कुछ अब भी बन्द हैं। प्रशासन की ओर से बार-बार जल्दी सड़कें खोल दिये जाने के आश्वासन के साथ लोगों से धैर्य बनाये रखने की अपील की जा रही है। राज्य में मानसून आने के साथ ही तबाही शुरू हो गई थी। 30 जून को सबसे पहले हरिद्वार में जल सैलाब आया और कई गाड़ियों को कागज की नाव की तरह बहते देखा गया। उसके बाद रामनगर में मोहान के पास रानीखेत जाने वाला पुल बह गया। इस पुल के बनने की फिलहाल कोई सम्भावना नहीं है। रानीखेत जाने वालों को दूसरे रास्तों से भेजा जा रहा है, इसके लिए उन्हें 50-60 किमी तक अतिरिक्त सफर करना पड़ रहा है। बदरीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर तो एक के बाद एक कई पहाड़ दरक चुके हैं और हजारों तीर्थयात्री और स्थानीय लोग फंस चुके हैं या अब भी फंसे हुए हैं। अब सवाल यह उठता है कि जब सामान्य और सामान्य से कम बारिश में ही उत्तराखण्ड में पहाड़ इतने भयावह तरीके से दरक रहे हैं तो अतिवृष्टि, बादल फटने या सामान्य से ज्यादा बारिश होने की स्थिति में क्या हालात होंगे। दूसरा सवाल यह भी कि हाल के वर्षों में ऐसा क्या हुआ कि पहाड़ इतनी बुरी तरह से दरकने लगे हैं। इस सवाल का सीधा से उत्तर है चारधाम सड़क परियोजना यानी तथाकथित ऑलवेदर रोड। अब तक जितने भी भयावह वीडियो उत्तराखण्ड से आये हैं, वे इसी आलवेदर रोड से आये हैं। इसके अलावा ग्रामीण सड़कों के आसपास वाले क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं सबसे ज्यादा दर्ज की गई हैं। इन दोनों तरह की सड़कों के निर्माण की प्रक्रिया देखें तो बेहद घटिया, अवैज्ञानिक और गैर जिम्मेदाराना है।

सबसे ज्यादा प्रभावित सड़कों की बात करें तो वह ऋषिकेश-बदरीनाथ मार्ग है। आलवेदर रोड के नाम पर सबसे ज्यादा छेड़छाड़ इसी सड़क के साथ हुई है। हाल के दिनों में जो सबसे भयावह तस्वीरें आई हैं, वे भी इसी रोड की हैं। जोशीमठ के पास यह सड़क अब भी बन्द है और तीर्थयात्रियों के साथ ही स्थानीय लोग भी फंसे हुए हैं। जोशीमठ डम्पिंग जोन के पास तीन दिन पहले बड़ा भूस्खलन हो गया था। यहाँ अब तक सड़क नहीं खोली जा सकी है। सड़क के इस हिस्से से होकर पैदल आवाजाही पर भी रोक लगा दी गई है। प्रशासन ने जल्द सड़क खोलने का आश्वासन दिया है और धैर्य बनाये रखने की बात कही है। इसके अलावा पातालगंगा के पास लंगसी सुरंग के पास भी बड़ा भूस्खलन हो गया था, यहाँ सड़क अब आने-जाने लायक खोल दी गई है। जोशीमठ से आग भी बदरीनाथ मार्ग बन्द है। जगह-जगह सड़क बन्द होने के कारण सिर्फ तीर्थयात्री और स्थानीय लोग ही नहीं फंसे बल्कि 40 पोलिंग पार्टियां भी फंस गई थी। बदरीनाथ विधानसभा क्षेत्र के लिए 10 जुलाई को उपचुनाव करवाया गया था। चुनाव से ठीक पहले जोशीमठ से आगे सड़क पर भारी मलबा आ गया था। इससे वोट डालने के अपने गाँव जाने वाले लोग वोट नहीं डाल पाये। मतदान के दौरान की कई दूसरी जगहों पर भी आलवेदर रोड दरक गई। इससे 40 पोलिंग पार्टियां जहाँ-जहाँ फंस गई थी। चार पार्टियों को हेलीकाप्टर के जरिये वापस लाना पड़ा। सैकड़ों की संख्या में बदरीनाथ और हेमकुण्ड यात्रा पर आये तीर्थयात्री भी इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं। रोजमर्रा की चीजों की सप्लाई बन्द होने के कारण स्थानीय लोगों के साथ ही तीर्थयात्रियों को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सबसे बड़ी चिन्ता बनी हुई है। वजह यह है कि सड़क बन्द होने के कारण जो पूरा इलाका कटा हुआ है, वहाँ कोई स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं है या सिर्फ नाममात्र की है। ऐसी हालत में कोई व्यक्ति गम्भीर रूप से बीमार पड़ गया तो उसे अस्पताल तक पहुँचाना कठिन हो जाएगा। उत्तराखण्ड में आलवेदर रोड एक बड़ा नासूर बन चुकी है। इस रोड के निर्माण से पहले ही कई सवाल उठाये गये थे। मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुँचा था। सुप्रीम कोर्ट ने पर्यावरणविद् के नेतृत्व में इस प्रोजेक्ट से होने वाले नुकसान का पर्यावरणीय आकलन करने के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी को बीजेपी सरकार से बुरी तरह प्रभावित किया। हालात यहाँ तक पहुँच गये कि डा. रवि चोपड़ा को इस्तीफा देना पड़ा। कुछ और सदस्यों ने भी कमेटी को छोड़ दिया। हालांकि पर्यावरणविद् ने अपनी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश की। सुप्रीम कोर्ट ने इस रिपोर्ट को स्वीकार भी किया। इस पर आदेश भी दिया। लेकिन बाद में केन्द्र सरकार इन सड़कों को सामरिक महत्व की होने के तर्क के साथ सुप्रीम पहुँची और इस तरह आलवेदर रोड के नाम पहाड़ों को तहस-नहस करने की इजाजत मिल गई। इसका नतीजा सामने है। भूवैज्ञानिक कहते हैं कि जिस तरह से आलवेदर रोड के नाम पर पहाड़ों को अवैज्ञानिक तरह से काटा गया है, उसके चलते आने वाले सालों में भी लगातार ऐसी ही स्थितियों का सामना करना पड़ेगा। एक रिपोर्ट के अनुसार राज्य में मानसून आने के बाद से 10 जून तक यानी केवल 12 दिनों में 245 जगह सड़कें टूट चुकी थी।

विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखण्ड में लैंडस्लाइड एक बड़ी समस्या है। मानसून में पहाड़ के पहाड़ दरकने से जन-धन का भारी नुकसान उत्तराखण्ड को उठाना पड़ता है, तो बड़े पैमाने पर जनजीवन प्रभावित होता है। एनएच पर ऋषिकेश से लेकर रुद्रप्रयाग तक कुल 44 सक्रिय लैंडस्लाइड जोन की डीपीआर तैयार की गई है। इनमें से दो से तीन भूस्खलन क्षेत्र एनएच विभाग के लिए भी परेशानी का सबब बने हुए हैं। तेज बारिश के चलते नदियों और झरनों प्रवाह तेज होने की आशंका है और इसे खतरा भी हो सकता है। मौसम विज्ञान केन्द्र ने इन इलाकों के आसपास रहने वाले लोगों और पर्यटकों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

आनन्दालय

बस व्यस्त रहता हूँ
अपने काम में मस्त रहता हूँ
पा लेता हूँ पूरा सुकून
जनवरी हो या जून
बच्चों संग बच्चा बन गया हूँ
ढलती उमर भूल गया हूँ
जो सीखा है जो पढ़ा है
और अब तक जो गढ़ा है
भरपूर बाटना चाहता हूँ
उनसे भी सीखना चाहता हूँ
मूल्यांकन कर उनका
खुद को जानना चाहता हूँ
गतिविधियों की गति खोजकर
जीवन गतिमान हो गया है
बच्चों के संग जी कर
जीना आसान हो गया है
हाँ भविष्य गढ़ने का सौभाग्य मिला है
मेरे न रहने पर भी
छाप छोड़ने का मौका मिला है
जो आज सिखा रहा हूँ
कल वो बताएंगे
इस तरह ज्ञान की
अनवरत लौ जलाएंगे
जीवन संवार कर अपना
उल्लास जगत में फैलाएंगे
भुलाकर मतभेद-मनभेद
खुशहाल संसार बनाएंगे
आनन्दालय बना रहे विद्यालय
यही परमेश्वर से चाहता हूँ
बस! व्यस्त रहना चाहता हूँ।

-दीवान सिंह कठायत
प्रधानाध्यापक, राआप्रावि
उडियारी, बेरीनाग

ज्योतिष की बातें- 188

31 जुलाई 2024 को शुक्र से शत्रुराशि सिंह में प्रवेश करेगा। शुक्र पर पाप ग्रह मंगल और शनि की दृष्टि भी रहेगी। इस प्रकार शुक्र अत्यन्त निर्बल रहेगा अत: अगले 26 दिन शुक्र अपने कारक विषयों में प्राय: सभी राशि के जातकों को शुभ फल देने में असमर्थ रहेगा।

लघु शिवरात्रि- श्रावण कृष्ण पक्ष चतुर्दशी निशीथ व्यापिनी तिथि को लघु शिवरात्रि कहा जाता है। श्रावण मास में सम्पूर्ण भारतवर्ष में काँवड़ यात्राएँ निकलती हैं। गंगा आदि पवित्र नदियों का जल काँवड़ में लाकर इसी लघुशिवरात्रि के दिन शिव मन्दिर में भगवान शंकर को अर्पण किया जाता है ।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 79

गरीबी स्वाभाविक है

आजकल गरीबी दूर करने की बात सभी करते हैं। दुनिया भर में चुनाव में सभी राजनीतिक पार्टियां प्राचीन काल से गरीबी हटाने की बात करती रही हैं। मैं सोचता हूँ कि यदि सच में गरीबी दूर हो गई तो पकोड़े कौन तलेगा, पंचर कौन जोड़ेगा, मकान की रंगाई-पुताई कौन करेगा, खेती किसानी का काम कौन करेगा? घरों में झाड़ू पोछा करने, करड़े धोने, सिलाई करने, प्रेस करने, मोटर गाड़ियों की मरम्मत, बिजली का काम, पानी का काम, सफाई का काम कौन करेगा? भवन निर्माण में राज मिस्त्री का काम, खेतों में मजदूरी किसानी कौन करेगा? जब ये छोटे समझे जाने वाले कार्य करने वाला कहीं कोई मिलेगा ही नहीं, तब जो मिलेगा उसका रेट बहुत ज्यादा होगा। फिर ये कार्य करवाने के लिए अधिक खर्च करना पड़ेगा और इस प्रकार अधिक खर्च करने से अमीर आदमी भी अन्त में गरीब हो जाएगा। पुन: जब अमीर भी गरीब हो जाएंगे तो उपरोक्त रोजगार करने गरीब कहाँ जायेगा?

यदि गहराई से विचार करें तो देखेंगे कि गरीबी और अमीरी दोनों स्वाभाविक हैं। अमीर एमझे जाने वाले राष्ट्रों में भी छोटे-छोटे कार्य करने वाले गरीब पाए जाते हैं। जहाँ अमीर हैं, वहाँ गरीबों का अस्तित्व अवश्य रहता है और जहाँ गरीब हैं वहाँ पर अमीरों का भी अस्तित्व अवश्य रहता है। गरीब और अमीर दोनों का सह अस्तित्व है, एक दूसरे के पूरक हैं। हाँ, इतना अवश्य है कि भुखमरी न हो, गरीब व्यक्ति इतना तो कमा सके कि उसकी न्यूनतम आवश्यकताएं आराम से पूरी होती रहें।

-सरल

लोहाघाट का देवीधार महोत्सव

लोहाघाट। शहर के निकट देवीदार पहाड़ी पर स्थित भगवती मन्दिर में 5 दिवसीय देवीधार महोत्सव की धूम रही। सांस्कृतिक विकास समिति के अध्यक्ष जीवन मेहता व शिक्षक नरेश राय के संचालन में हुए महोत्सव का शुभारम्भ विधायक खुशाल सिंह अधिकारी ने किया। विधायक ने आयोजन को और भी भव्य बनाने के लिये सहयोग का आश्वासन दिया।

सांस्कृतिक झांकियों के साथ मेले में विभिन्न स्कूलों व सांस्कृतिक समितियों के लोग उत्साहपूर्वक भागीदारी करते देखे गये। झोड़ा करते हुए महिलाओं का दल भी इसमें था। इस अवसर पर शैक्षिक व खेलकूद गतिविधियां भी की गई। मेले मुख्य आकर्षण डैंसली, रायनगर चौड़ी और कलीगांव से माँ भगवती की रथ यात्रा और मन्दिर में परिक्रमा था। इस अवसर पर संरक्षक प्रहलाद सिंह मेहता, महासचिव प्रकाश राय, डॉ. मंजीत सिंह, सुभाष बगौली, महेन्द्र ढेक, डी.डी. पाण्डेय, पूर्व ब्लाक प्रमुख योगेश मेहता, चन्द्र सिंह पुजारी, सोनू बिष्ट, मदन राम, भैरव राय आदि मौजूद थे।

हेरिटेज पोस्टआफिस ध्वस्त न करने की मांग

नैनीताल। पर्यटकों के दबाव के कारण यातायात को सुगम बनाने के लिये सड़क चौड़ीकरण में तल्लीताल स्थित ब्रिटिशकालीन पोस्ट आफिस भवन को ध्वस्त किये जाने की चर्चा के बीच शहर के गणमान्य जनों ने एडीएम से भेंट कर इस हेरिटेज पोस्ट आफिस भवन को ध्वस्त न करने की मांग की है। कहा डाकघर की इमारत यहाँ के लोगों की भावनाओं और स्मृतियों से जुड़ी हैं। उन्होंने इसके मूल स्वरूप को संवारने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में राजीवलोचन साह, प्रदीप पाण्डे, दिनेश उपाध्याय, प्रो.उमा भट्ट, अंचल पन्त, सरस्वती खेतवाल सहित सैकड़ों लोग मौजूद थे।

मौसम बरसात का, यात्रा करें संभल कर

बरसात के इस मौसम में पर्वतीय मार्गों पर दिक्कतें हैं, ऐसे में यात्रा बहुत जरूरी होने पर ही करें। मौसम विभाग व प्रशासन द्वारा बार-बार अलर्ट किया जा रहा है लेकिन मौसम का सिर्फ पूर्वानुमान लगाया जा सकता है। देखा गया है कि भारी वर्षा के कारण भूस्खलन व बोल्डर गिरने की घटनाएं हो रही हैं। इसके अलावा मैदानी इलाकों में जलभराव की इस बार ज्यादा ही घटनाएं हुई हैं। अतिक्रमण वाले स्थानों पर नालों के उफनाने से काफी नुकसान हुआ है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

किनाबालु पर फहराया तिरंगा

जसपुर। ग्राम बढियोंवाला के युवा पर्वतारोही प्रवेन्द्र सिंह ने मलेशिया के सबसे ऊँचे पर्वत माउंट किनाबालु पर तिरंगा फहराया है। 26 वर्षीय प्रवेन्द्र को 3 जुलाई को केन्द्रीय राज्यमंत्री अजय टम्टा ने तिरंगा भेंट कर इस यात्रा के लिये रवाना किया। मलेशिया के नेशनल पार्क से पहले कैम्प 3100 मीटर की दूरी तय करके प्रवेन्द्र ने लक्ष्य की ओर कूच किया उपलब्धि को अपने नाम किया।

६ तालाबों का जीर्णोद्धार होगा

रुद्रपुर। ऊधमसिंह नगर में लगातार घट रहे जल स्तर को देखते हुए लघु सिंचाई विभाग जल्दी ही विकासखण्ड जसपुर, काशीपुर और सितारगंज में 6 तालाबों को मरम्मत के साथ जीर्णोद्धार कराने जा रहा है। केन्द्रीय भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान देहरादून इसके लिये डीपीआर तैयार कर ली है। स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरु कर दिया जायेगा।

सरयू लिफ्ट योजना सर्वे दो माह में

लोहाघाट। बहुप्रतीक्षित सरयू लिफ्ट पेयजल योजना के सर्वे कार्य शुरू हो चुका है। जलनिगम की टीम ने लोहाघाट नगर और बाराकोट क्षेत्र में सर्वे का कार्य किया। बताया जा रहा है कि सरयू लिफ्ट पेयजल योजना के प्रथम चरण का कार्य विभाग ने शुरू कर दिया है जो दो माह में पूरा होगा।

दन्या में सुलभ शौचालय घेरबाड़

दन्या। बाजार से लगे मुख्य मार्गीय मार्ग के सुलभ शौचालयकी हालत बदतर बनी हुई है। समाजिक कार्यकर्ता ने किशकायत की है कि बार-बार कहने के बावजूद मुर्गी विक्रेता द्वारा वहाँ से अपने सामान को नहीं हटाया जा रहा है। जिला पंचायत द्वारा नियुक्त स्वच्छक कर्मचारी कहते हैं कि यदि हमें कमरा दिला दिया जाए तो नि:शुल्क साफ-सफाई कर देंगे। ऐसे हालात में क्षेत्रीय जनता व यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

थल में रामगंगा पर तटबंध निर्माण पूरा

थल। थल में रामगंगा नदी के किनारे तटबन्ध निर्माण कार्य पूरा हो गया है। दावा किया जा रहा है कि अब इससे भू कटाव नहीं होगा। सिंचाई विभाग ने तल्ली धारा से पुराने बाजार के पश्चिमी क्षेत्र और बालेश्वर मन्दिर के नीचे नये बाजार के पूर्वी छोर में भूकटाव रोकने के लिये तटबन्ध का निर्माण किया है।

थल में तटबन्ध का निर्माण बहुत जरूरी था। 5 साल पूर्व चट्टान टूट कर कुछ मकान और सड़क खतरे में घिर गये थे। यह बहुत ही सम्वेदनशील स्थान है। थल कस्बे में 2007 की बरसात में रामगंगा नदी के कटाव से वनीकरण वाला भूभाग नदी में समा गया था। 2013 में भी कटाव से कई लोग प्रभावित हुए।

केदारनाथ मन्दिर के दिल्ली में बनने वाले प्रतीकात्मक मंदिर का विरोध

तीर्थ पुरोहित, पुजारी, पंडे, हक-हकूकधारी नाराज, विपक्ष भी समर्थन में कूदा। सीएम बोले- धाम दूसरे स्थान पर नहीं हो सकता

दिल्ली/देहरादून/रुद्रप्रयाग। दिल्ली में केदारनाथ मन्दिर के प्रतीकात्मक निर्माण के विरोध में जबर्दस्त आन्दोलन छिड़ चुका है। आन्दोलन की हवा में कांग्रेस सहित पूरा विपक्ष भी खड़ा है। दिल्ली में केदारनाथ मन्दिर निर्माण को लेकर उपजे विवाद के बीच मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि केदारनाथ धाम द्वाद्वश ज्योतिर्लिंग में से एक है उसका महात्म्य को कोई कम नहीं कर सकता। कहा कि दूसरे स्थान पर केदारनाथ नहीं बन सकता। कैबिनेट ने भी कड़ा कानून बनाने का फैसला किया है।

बताते चलें कि दिल्ली में प्रतीकात्मक मन्दिर की घोषणा का जोरशोर से ऐलान हुआ था। बताया जा रहा है कि केदारनाथ धाम के नाम से एक ट्रस्ट है, जो दिल्ली में मन्दिर बना रहा है और इसके शिलान्यास के सीएम शामिल होते हैं। प्रदेश सरकार और बद्रीकेदार मन्दिर समिति इस पूरे मामले में अपना बचाव कर रहे हैं।

दिल्ली में मन्दिर की हलचल पर केदारानाथ में तीर्थपुरोहित, हक-हकूक धारी और अन्य लोगों द्वारा मन्दिर की परिक्रमा कर जुलूस निकाला गया। इस प्रदर्शन के समर्थन में कांग्रेस सहित अन्य दल व संगठन भी मैदान में उतर चुके हैं। देहरादून सहित अन्य स्थानों पर भी प्रदर्शन हुआ है। बद्रीकेदार मन्दिर समिति का पुतला फूंका गया। पुरोहित महापंचायत ने गृह सचिव को ज्ञापन भी सौंपा और कहा कि सरकार के निर्णय से पुरोहित, पण्डा, रावल समाज सहित सभी आहत हैं। केदार नाथ या केदारेश्वर नाम से कहीं भी मन्दिर की स्थापना नहीं की जा सकती है। यदि यह प्रचलन प्रारम्भ हुआ तो भविष्य में देशभर में इस तरह के कई मन्दिर स्थापित हो जाएंगे। इससे भ्रम की स्थिति पैदा होगी। प्रदर्शन में केदारनाथ के पूर्व अध्यक्ष किशन बगवाड़ी, विनोद शुक्ल, आचार्य सन्तोष त्रिवेदी सहित सभी थे। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य सहित सभी विपक्षी नेता खुलकर समर्थन में हैं।

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष सूर्यकान्त धस्माना ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के संरक्षण में केदारनाथ धाम के नाम से ठगी हो रही है। केदारनाथ धाम ट्रस्ट बना कर चन्दा उगाही की जा रही है। कहा कि अयोध्या में राम मन्दिर निर्माण में भूमि खरीद फरोख्त घोटाला, बद्रीनाथ मन्दिर के पौराणिक संरक्षण के साथ छेड़छाड़ करने का दण्ड भाजपा की अयोध्या व बदरीनाथ क्षेत्र की जनता ने दे दिया।

ट्रस्ट का नाम बदलकर सुलझाव का प्रयास

दिल्ली में केदारनाथ मन्दिर के निर्माण के विवाद को सुलझाने का प्रयास हुआ है। मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के बाद ट्रस्ट और मन्दिर का नाम बदलने का निर्णय लिया है।

देहरादून प्रेस क्लब में मीडिया से वार्ता में ट्रस्ट के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेन्द्र रौतेला ने कहा कि कुछ लोग धाम शब्द से नाराज हैं, ट्रस्ट व मन्दिर दोनों के नाम से धाम शब्द हटा दिया जाएगा। इसकी प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कहा दिल्ली में केदारनाथ धाम नहीं बल्कि मन्दिर बन रहा है। हम केवल शिव का मन्दिर बना रहे हैं लेकिन कुछ लोग इसे केदारनाथ धाम से जोड़कर राजनीति कर रहे हैं। सीएम मन्दिर के भूमि पूजन के लिये जरूर आए थे लेकिन उनका और सरकार का इस ट्रस्ट से कोई लेना-देना नहीं है।

दूसरी ओर कांग्रेस ने इस मुद्दे पर सवाल उठाते हुए केदार नाथ बचाओ पदयात्रा शुरू की है।

परिक्रमा

महिला प्रधान से अभद्रता पर आक्रोश

बनबसा। गुदमी ग्रामसभा की प्रधान विनीता राना से दस जुलाई को हुई अभद्रता के मामले में आक्रोश फैलता जा रहा है। स्थानीय व बाहर के तमाम संगठनों ने पीड़ित प्रधान को न्याय दिलाते हुए अभद्रता करने वालों पर सख्त कार्यवाही की मांग की है।

प्रधान ने घटना की शिकायत जनजाति आयोग व अन्य से की है। जूते की माला पहनाते हुए अभद्रता करने वालों 9 लोगों के खिलाफ बनबसा थाने में नामजद तहरीर सौंपी थी। चम्पावत के एसपी अजय गणपति मामले में स्वयं निगरानी कर रहे हैं।

पंचायत प्रतिनिधियों ने प्रधान के समर्थन में अभद्रता करने वालों पर सख्त कार्यवाही की मांग की। मूल निवासी संघ चम्पावत ने भी प्रधान से मुलाकात कर अपना समर्थन दिया। मल्ला जोहार विकास समिति ने भी समर्थन में ज्ञापन सौंपते हुए इस प्रकार के दबाव का विरोध किया। उल्लेखनीय है कि तेज बारिश के दौरान आई बाढ़ में जब गुदमी की प्रधान क्षेत्र भ्रमण पर थी तो उन्हें घेरकर अभद्रता की गई थी, उसके बाद से तमाम संगठन प्रधान के साथ हैं।

काशीपुर में अतिक्रमण पर चली जेसीबी

काशीपुर। शहर की सड़कों को अतिक्रमण मुक्त करने के लिये नगर निगम व प्रशासन ने अभियान छेड़ दिया है। जेसीबी, ट्रेक्टर, निगम कर्मियों की टीम के साथ सड़कों के किनारे फलपाथ व नालों पर बने अतिक्रमण पर कार्रवाई हुई है। 5 दर्जन से अधिक अतिक्रमणों को हटाने के साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि फिर से कब्जा किया गया तो जुर्माना भी वसूला जायेगा।

उपजिलाधिकारी अभय प्रताप सिंह व नगर आयुक्त विवेक रायक के नेतृत्व में शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चालया गया। रामनगर रोड स्थित निर्माणा धीन आरओबी के पास सड़क किनारे नाला पाटकर फड़ लगा रहे दुकानदारों को हटाया गया और पक्के दुकानदारों को 15 दिन के भीतर आरसीसी से पाटे गए नाले के ऊपर जाल डालने के निर्देश दिये हैं। तहसीलदार ने बताया कि अभियान निरन्तर जारी रहेगा।

51 करोड़ से चीना पीक उपचार होगा

नैनीताल। नगर की सबसे ऊँची पहाड़ी चीना पीक में हो रहे भूस्खलन का 51 करोड़ 18 लाख रुपये की लागत से स्थायी उपचार होगा। पहाड़ी के उपचार के लिए वन विभाग ने डीपीआर बनाकर शासन को भेज दी है।

नैनीताल वन प्रभाग के डीएफओ चन्द्रशेखर जोशी ने बताया कि हल्की बरसात के बाद से पहाड़ी से भूस्खलन की घटना देखने को मिलती है, जिससे पहाड़ी की तलहटी में रहने वालों के सामने बड़ा खतरा मंडरा रहा था, यह देखते हुए पूर्व में जिलाधिकारी के निर्देश पर जिला आपदा प्रबन्धक और जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ संयुक्त सर्वे कर 51 करोड़ 18 लाख की डीपीआर बनाई गई है। पहाड़ी में करीब 300 मीटर लम्बी दरार को भरने और भूस्खलन को रोकने के लिए गहर निरीक्षण के बाद पहाड़ी में वायर क्रेट वॉल, ड्रिलींग, आरसीसी वॉल निर्माण की योजना है। बताते चलें कि बीते वर्ष आईआईटी समेत कई विभागों के संयुक्त स्थलीय निरीक्षण में भी इसे बड़ा खतरा बताया था।

गौमुख से जल नहीं ला पाएंगे कांवड़िये

उत्तरकाशी। भारी बरसात के चलते पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की घटनाएं हो रही हैं। आपदा सम्बन्धी खतरों को देखते हुए जिला प्रशासन ने कांवड़ियों के गौमुख जाने पर रोक लगा दी है। इस वर्ष कांवड़ यात्री गौमुख नहीं जा पाएंगे। आपदा प्रबन्धन अधिकारी देवेन्द्र पटवाल ने बताया है कि गंगोत्री धाम से आगे लकड़ी की पुलियाएं क्षतिग्रस्त हैं लिहाजा कावंड़ियों को गंगोत्री धाम से ही जल भर कर लौटना होगा।

गंगोलीहाट व्यापार संघ की बैठक

गंगोलीहाट। व्यापार संघ की पहली बैठक में शहर के खराब सीसीटीवी कैमरों का मुद्दा उठा। अध्यक्ष हितेश खाती की अध्यक्षता में व्यापारियों ने आए दिन होने वाले जाम की स्थिति को लेकर चिन्ता व्यक्त की। फेरी कर व्यापार करने वालों को तीन माह की अल्पकालीन सदस्यता का प्रस्ताव हुआ। बाजारबन्दी पर सभी से सहयोग को कहा गया।

सैम मंदिर में पशु बलि पर रोक

बेरीनाग। नगर के सैम देवता मन्दिर में पशु बलि न करने का निर्णय लिया गया है। क्षेत्रवासियों की बैठक में कहा गया कि पशुबलि देना आधुनिक समय में तर्कसंगत नहीं है। बैठक में नवीन चन्द्र भट्ट, राजेन्द्र सिंह, प्रकाश सिंह, अमित सिंह, हरीश महरा, जीत सिंह, इन्द्र सिंह अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

नन्दादेवी मेले की तैयारियां

अल्मोड़ा। नन्दादेवी मेले को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। समिति की बैठक में कमेटियों का गठन करने के साथ ही सुझाव मांगे गये। मन्दिर के गीता भवन में आयोजित बैठक में पदाधिकारियों ने कहा कि 7 सितम्बर से मेला शुरू होगा। 9 सितम्बर को वृक्षों को निमंत्रण के साथ ही परम्परागत तरीके से आयोजन होगा। दूर-दूर से आने वाले श्रद्धालुओं के अलावा मेले में आने वाले व्यापारियों का ध्यान रखा जायेगा।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

चौखुना-पीपली-मनगड़-भूलकिआध्याली-चामा सड़क पर कलमट टूटने से खतरा मामला बड़ा बेढप है, जाँच हो : आगरी

बेरीनाग। राईआगर से तीन किलोमीटर आगे दो वर्ष पूर्व बनी चौखुना, पीपली, मनगड़, भूलकिआध्यामी, चामा, सड़क पर जगह-जगह कलमट टूटने से खतरा है। सामाजिक कार्यकर्ता हिमांशु आगरी कहते हैं कि यह मालमा बड़ा बेढप है, जाँच होनी चाहिये। वह बताते हैं इस सड़क का निर्माण कार्य में ऐसे कलमट बना दिये गये जो दो वर्ष में ही टूटने लगे। टूटफूट की जानकारी के बाद इन्हें ठीक नहीं किया गया है बल्कि ऊपर से मिट्टी भर दी गई। श्री आगरी बताते हैं कि खतरा देखते हुए उन्होंने क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया लेकिन आज तक कोई सुनवाई नहीं हुई है। इस सड़क पर आने-जाने वाले वाहन चालक बार-बार कह रहे हैं कि चौखुना, पीपली, मनगड़, भूलकिआध्यामी, चामा रोड पर जान का खतरा बना हुआ हैं।

सड़क में बने कलमटों की दुर्दशा पर रोष प्रकट करते हुए उन्होंने कहा कि डबल इन्जन सरकार समय रहते इसे ठीक करे अन्यथा कभी भी हादसा हो सकता है।

गंगा देवी पाल का निधन

जौलजीवी। सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम पाल की पत्नी और आयुष केन्द्र बलुवाकोट में तैनात चर्चित योग प्रशिक्षक उपेन्द्र पाल की माता गंगा देवी पाल (60) का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन से जौलजीवी सहित आस-पास सभी स्थानों में शोक की लहर है। व्यापार संघ व तमाम संगठनों संस्थाओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

जौलजीवी का यह परिवार सामाजिक कार्यों से जुड़कर हमेशा नई दिशा देने में आगे रहा है। गंगा देवी भी सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाती रहीं। पिघलता हिमालय परिवार अपनी वरिष्ठ सदस्य को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

कांग्रेसी नेता पुष्कर खाती का निधन

गंगोलीहाट। पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य और कांग्रेस नेता पुष्कर सिंह खाती (51) निवासी बिरगोली के असमय निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। खाती क्षेत्र के सामाजिक मुद्दों पर हमेशा मुखर रहते थे। वह गाँव में खेतीबाड़ी से जुड़े रहे। वह पिछले कुछ समय से बीमार थे और अपने भाई के साथ हल्द्वानी में रह रहे थे। वह अपने पीछे पत्नी दो बेटी और बेटे को छोड़ गये हैं। पिघतला हिमालय स्व.पुष्कर के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

व्यापारी गिरीश पन्त का निधन

बेरीनाग। नगर के पुरानी बाजार व्यापारी गिरीश पन्त (48) का आकस्मिक निधन हो गया। ढनोली निवासी गिरीश पन्त जी अपने पीछे पत्नी, दो पुत्रियों पुत्र को छोड़कर गए हैं। उनके निधन पर व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठान बन्द कर शहीद चौक पर शोकसभा की। व्यापारी नेता राजेश रावत ने ने कहा कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण व्यापार संघ उनकी पुत्री के पढ़ाई का खर्च वहन करेगा। पिघतला हिमालय स्व.पुष्कर के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

ग्लेशियर के पास बिना अनुमति के बनाया निर्माण ध्वस्त होगा

देवीकुंड में बाबा का वीडियो वायरल होने के बाद हलचल

बागेश्वर। कपकोट के सुन्दरढूंगा ग्लेशियर के पास बगैर प्रशासन की अनुमति के मन्दिर के नाम पर निर्माण का विवाद बहुत ज्यादा हो चुका है। देवीकुण्ड में नहाते बाबा का वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन ने संज्ञान लिया और तय किया है कि बिना अनुमति के ग्लेशियर के पास बने निर्माण को ध्वस्त किया जायेगा।

जिलाधिकारी अनुराधा पाल ने इस बारे में वार्ता की है और बताया कि देवीकुण्ड में मन्दिर के नाम पर जो भी निर्माण हुआ है प्रशासन की अनुमति बगैर है। इसकी 14 सदस्यीय कमेटी जाँच कर रही है। निर्माण के लिये चोरी छिपे बाहर से सामग्री मंगाई गई। यह सब कैसे-क्यों हुआ, जाँच के अलावा इसे ध्वस्त किया जायेगा। उन्होंने कहा कि ग्लेश्यिरों की गाइड लाइन को देखते हुए यहाँ का विकास किया जायेगा। ग्रामीणों की आस्था के साथ किसी भी प्रकार की ठेस न पहुँचे इसका भी प्रशासन ध्यान रखेगा।

बताते चलें कि बाहर से आए एक बाबा देवीकुण्ड में नहाने लगा, जिसका क्षेत्रवासियों ने विरोध किया। कहा कि इस कुण्ड की पवित्रता को देखते हुए कोई नहीं जाता है जबकि चोरी-छिपे बाहर से कौन आ गया? वीडियो वायरल होने के बाद हल्ला बढ़ता गया। मामले में प्रशासन पर भी सवाल उठने लगे कि सीमान्त क्षेत्र तक बाहर से लोग बिना अनुमाति के कैसे पहुँच रहे हैं और क्या गतिविधियां हो रही हैं।

इस बीच बदियाकोट के पुजारी निर्माण के विरोध में उतर चुके हैं। भगवती मन्दिर बदियाकोट के पुजारी ग्लेश्यिर के पास निर्माण का विरोध कर रहे हैं। मुख्य पुजारी मंगल सिंह दानू ने कहा कि देवीकुण्ड हमारी आस्था का केन्द्र है। यहाँ मन्दिर निर्माणा करना हमारी आस्था पर ठेस है। कहा कि मन्दिर बनाकर देवीकुण्ड में अतिक्रमण का कार्य हो रहा है। यहाँ कोई भी बाबा आकर मन्दिर बनाना शुरू कर देगा। इस जगह को पर्यटक स्थल बनाने की जरूरत नहीं है। कुण्ड में केवल माँ भगवती स्नान करती हैं।

रामपुर तिराहा काण्ड के दोनों मामलों में टल गई सुनवाई

मुजफ्फरनगर। रामपुर तिराहा काण्ड से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में सुनवाई टल गई। गंग नहर में आन्दोलनकारी का शव बहाए जाने के मामले में बचाव पक्ष ने विगत दिवस प्रशिक्षु दरोगा को कोर्ट में गवाही के लिए पेश करया था। जिसने पिता की ओर से सीबीआई को दिए गये हलफनामे पर फोटो और हस्ताक्षर की पहचान की थी। जबकि हथियारों की फर्जी बरामदगी दर्शाने के मामले में बचाव पक्ष की ओर से लगाए गए प्रार्थना पत्र पर दोनों पक्ष की बहस पूरी हो गई थी लेकिन कोर्ट ने उस पर कोई निर्णय नहीं दिया। दोनों मामलों में अगली सुनवाई 30 जुलाई को निर्धारित की है।

ज्ञातव्य है कि तीस वर्ष पूर्व उत्तराखण्ड गठन के लिये आन्दोलन शुरू हो गया था। एक अक्टूबर 1994 को पृथक पर्वतीय राज्य की मांग को लेकर आन्दोलनकारी विभिन्न वाहनों में सवार होकर दिल्ली के लिए रवाना हुए थे। जिन्हें छपार थाना क्षेत्र के रामपुर तिराहा पर रोक लिया गया था। दो अक्टूबर की रात को पुलिस और आन्दोलनकारियों के बीच झड़प हुई थी। फायरिंग में सात आन्दोलनकारी मारे गए थे। जबकि पुलिस और पीएसी पर आन्दोलनकारी महिलाओं से दुष्कर्म और छेड़छाड़ तथा लूट के आरोप लग थे। दुष्कर्म और छेड़छाड़ सहित अलग-अलग चार मामलों में सीबीआई ने विवेचना कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की थी। जिनमें एक आन्दोलनकारी का शव गंग नहर में बहाए जाने के सीबीआइ बनाम एसपी मिश्र और आन्दोलन कारियों से हथियारों की फर्जी बरामदगी दर्शाने सम्बन्धी मामले की सुनवाई सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट में चल रही है। विगत दिवस इन्हीं पर सुनवाई हो रही थी।

चुनाव से पहले होगी नई व्यवस्था

देहरादून। राज्य के 11 सरकारी विश्वविद्यालयों और 140 कालेजों में इस साल छात्र संघ चुनाव से पहले नई व्यवस्था लागू होगी। उच्चशिक्षा मंत्री डॉ. धनसिंह रावत ने बताया कि छात्र संघों में छात्राओं के लिए 50 फीसदी पद आरक्षित किए जाएंगे। साथ की कॉलेज के टॉपर के लिए भी एक पद आरक्षित रखा जाएगा।

गौलापार कालेज को लेकर मिले

देहरादून। पूर्व छात्र संघ सचिव पान सिंह मेवाड़ी उच्चशिक्षा मंत्री से रा.महाविद्यालय हल्द्वानी शहर किशनपुर गौलाप को एमबी पीजी एवं महिला कालेज में समायोजित नहीं करने की मांग को लेकर मिले। इससे पहले सीएम के हल्द्वानी आगमन पर उन्हें भी गौलापार वासियों ने ज्ञापन प्रेषित किया था।

छात्र संघ चुनाव से पहले की हलचल

उत्तराखण्ड उच्चशिक्षा में छात्र संघ चुनाव के लिये हलचल होने लगी है। अभी समर्थ पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के बाद कालेजों में प्रवेश व अभिविन्यास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। शासन द्वारा कालेजों में प्रवेश के बारे में मॉनीटरिंग भी की गई है। समर्थ पोर्टल द्वारा प्रवेश के क्रम में शुरू में कम प्रवेश हुए थे लेकिन अवसर मिलने पर कई और प्रवेश हुए हैं। प्रवेश प्रक्रिया के दौरान बॅचिज छात्र-छात्राओं को प्रवेश के लिये छात्र नेता भिड़ते देखे गये हैं। इन्होंने ज्ञापन देते हुए सीटें बढ़ाने, विषय बढ़ाने, शिक्षकों की कमी पूरी करने आदि मांगें दोहराई है। दरअसल प्रवेश प्रक्रिया के बाद छात्रसंघ चुनाव होते हैं ऐसे में नव प्रवेशार्थियों के सामने अपने प्रचार-प्रसार के लिये भी छात्र नेता अति उत्साह दिखाते हैं। ऐसी ही हलचल इन दिनों में है। नई शिक्षा नीति के तहत बहुत से बदलाव हो चुके हैं और नित नये प्रयोग देखने को मिल रहे हैं लेकिन पदों की रिक्तता और संसाधनों की कमी से कई कालेज जूझ रहे हैं।

कालेज की मांग पर परिसर में ताले जड़े

पिथौरागढ़। छात्र संघ पदाधिकारियों ने प्रदर्शन करते हुए विवि परिसर में ताले जड़ दिये हैं। उनका कहना है कि मूनाकोट विकासखण्ड में नया कालेज खोलने के बाद परिसर का संचालन हो। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षामंत्री धनसिंह रावत का पुतला फूंकते हुए कहा सरकार अपना वायदा भूल रही है।

मांग गंगोलीहाट में उच्चीकरण की

गंगोलीहाट। टीम एक कोशिश संगठन ने शहीद पवन सिंह सुगड़ा महाविद्यालय में उच्चशिक्षा की मांग की है। उच्चीकरण के लिये सीएम को ज्ञापन भेजा है। भगवती प्रसाद पन्त ने कहा कि 23 वर्षों बाद भी कालेज होने का कोई लाभ क्षेत्र को नहीं है, बच्चे पढ़ाई के लिये अन्यत्र पलायन कर रहे हैं। उन्होंने सीएम से शीघ्र ही इस कालेज में उच्चशिक्षा के मानकों के अनुरूप कला, विज्ञान, वाणिज्य शिक्षा की पूर्ण व्यवस्था को कहा है ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को शिक्षा से बंचित न होना पड़े

रामनगर में कैम्पस की मांग

रामनगर। विधायक दीवान सिंह बिष्ट के नेतृत्व में छात्र नेताओं ने सीएम से भेंट कर रामनगर महाविद्यालय को कैम्पस का दर्जा दिए जाने की मांग की है। कहा रामनगर कुमाऊँ-गढ़वाल का प्रवेश द्वारा है और यहाँ दोनों मण्डलों से विद्यार्थी शिक्षा के लिये आते हैं। ऐसे में कालेज को विवि कैम्पस बनाया जाए।

टनकपुर कालेज में धरना-प्रदर्शन

टनकपुर। राजकीय महाविद्यालय में छात्रों का धरना-प्रदर्शन जारी है। कालेज में सीट बढ़ाने, विषय खोलने सहित अन्य मांगों को लेकर छात्रसंघ, पूर्व छात्र नेताओं व अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने पुतला जलाया। भूगोल के प्रवक्ता एम. एस.चौहान पर आरोप लगाते हुए छात्रों का शिष्टमण्डल देहरादून जाकर मुख्यमंत्री से भी मिला। इसके अलावा प्राचार्य कक्ष में घेराव करते हुए प्रवक्ता एस.के.कटियार को काफी सुनाई। छात्र नेताओं ने कहा कि प्राचार्य को अपने विवेक के कार्य करने चाहिये। साथ ही प्राचार्य की मेज के पास लगी एक अतिरिक्त कुर्सी को हटवाया गया। हंगामे के दौरान संविदा शिक्षकों ने भी अपनी पीड़ा व्यक्त की। कर्मचारियों ने भेदभाव का आरोप लगाया। उपनल कर्मियों की ओर से जोगेन्द्र कुमार ने तीखी बहस की। कुल मिलाकर टनकपुर कालेज में गहमागहमी बनी हुई है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

घर से बाहर अपनों का साथ

होटल लक्ष्य इन

मदकोट

सम्पर्क
7351285555
नरेन्द्र सिंह रावत

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

धमोत
होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
www.mountainheights.in
मो. 9760007148

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल
भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स, बच्चीनगर- १, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236 8958525979, 9411134775

MARTOLIA FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE

Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

पिघलता हिमालय स्थापना के 47 वर्ष में प्रवेश पर हार्दिक शुभकामनाओं के साथ-

दीवान सिंह धर्मशक्तू
5/22 जोहार नगर,
शिवमन्दिर के पास, भोटिया पड़ाव
हल्द्वानी

हेरिटेज कॉन्वेट स्कूल
ग्राम- इन्द्रपुर (चोरगलिया)
मो. 942959857

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादक: श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)